



VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1304965

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : SHIVAM KUMAR

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

तारीख
Date

27/08/2023

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV) GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र

Centre 11

RVA First Grade College
Bangalore

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

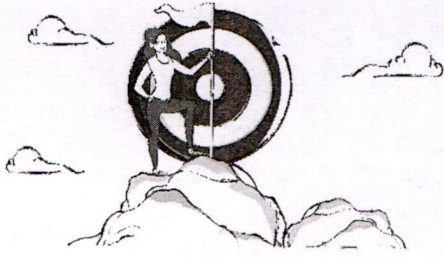
[Signature]
27/08/23

	<p style="text-align: center;">महत्वपूर्ण अनुदेश</p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;">Important Instructions</p> <p>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH**.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

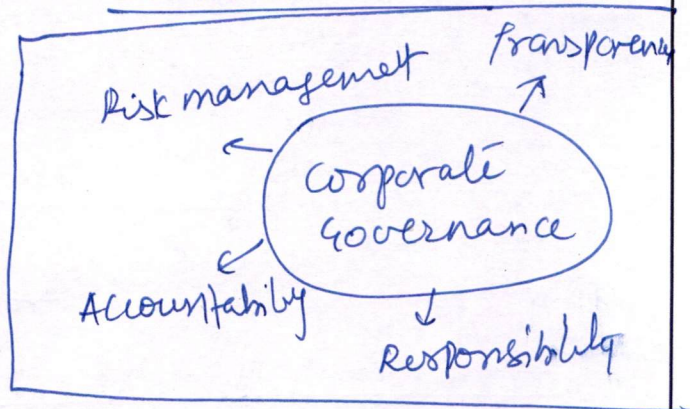
All the Best

1. (a) आगामी वर्षों में प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस को लागू करने के लिए, ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस) मैट्रिक्स को बहु-हितधारक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करना क्यों महत्वपूर्ण है? ऐसे एकीकरण से क्या लाभ हो सकते हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

For effective corporate governance to take place in the coming years, why is it important to integrate the ESG (Environmental, Social, and Governance) metrics with the multi-stakeholder approach? What benefits can be accrued by such integration? (Answer in 150 words) 10

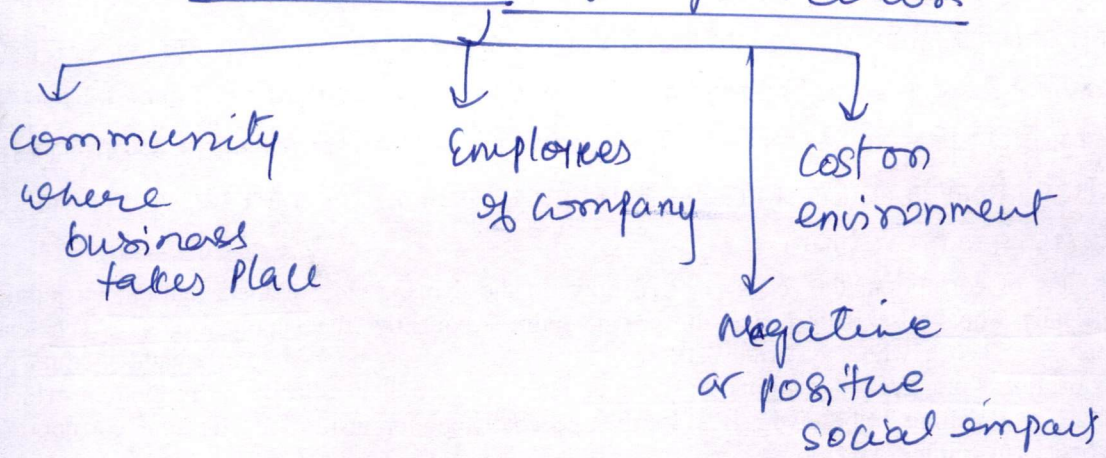
Corporate Governance is set of rule, regulation, customs and procedure that is used to regulate and control an organization.

Need to integrate ESG metrics with multistakeholder approach :-



- 1) consequences of corporate on environment will be evaluated on multi-stakeholder participation
- 2) ESG metrics will create more accountability beyond profits for stakeholders.
- 3) company has more stakeholders than just financial stakeholder.

Stakeholders of organization



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

④ adding multistakeholder approach

will ensure more transparency

ESG with multistakeholder

win win situation for all.

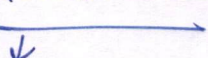
Company with ESG matrix

Benefit to Company



① Good reputation

② Strong corporate governance



Minimize risk

To Community

① Effective contribution through CSR

② Environment protection

③ Ethical responsibility of company

community is not just stakeholder but very reason for existence of company. ESG matrix uphold this principle.

1. (b)

भ्रष्टाचार के कृत्यों में, मुख्य ध्यान केवल इसके मांग पक्ष अर्थात् निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने वाले सार्वजनिक अधिकारियों पर होता है। वहीं प्रायः आपूर्ति पक्ष पर कम ध्यान दिया जाता है। वे लोग जो रिश्वत देते हैं उन्हें कभी-कभी निर्दोष पक्षकार और चालाक लोक सेवकों की जबरन वसूली क्रिया के शिकार के रूप में चित्रित किया जाता है। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि 'मिलीभगत से संचालित भ्रष्टाचार', जिसमें स्वेच्छा से रिश्वत देने वाला भी शामिल होता है, भ्रष्टाचार से निपटने वाली संस्थाओं के लिए एक विकट चुनौती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In acts of corruption, the focus is often only on the demand side of the equation, on public officials who abuse their office for private gain. Frequently, the supply side is given less attention. Those who pay bribes are sometimes depicted as innocent parties and victims of extortionary practices of wily public servants. Do you agree that 'collusive corruption', in which there is a willing bribe-giver, is a formidable challenge for institutions fighting corruption? (Answer in 150 words)

10

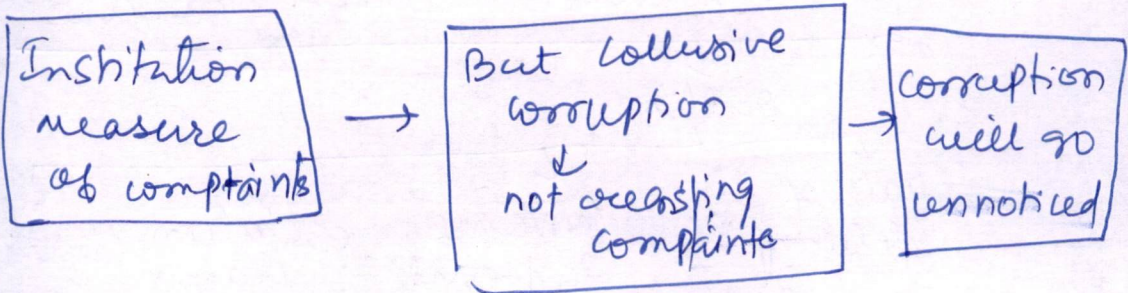
Corruption, is misuse of public authority for private gain. directly or indirectly. Corruption is a ~~great~~ great cause to Governance.

Demand side is often talked and blamed because

- ① Power asymmetry in the governance process
↳ public officials in position of authority
- ② corruption is in form of bribe demanded
- ③ Corruption seen in execution of public project
↳ common wealth scam.

Collusive corruption is also one hindrance to institutions :-

- ① People not adherence to timeline for service delivery
↳ want work done soon
- ② weak people not fighting the corruption demand
- ③ collusive corruption has given social acceptance to corrupt practices.
- ④ hindrance to tracking corrupt practice



Eril of corruption require participation from all ~~stak~~ stakeholder.

It is a disease that require the medicine to be taken by whole community including officials.

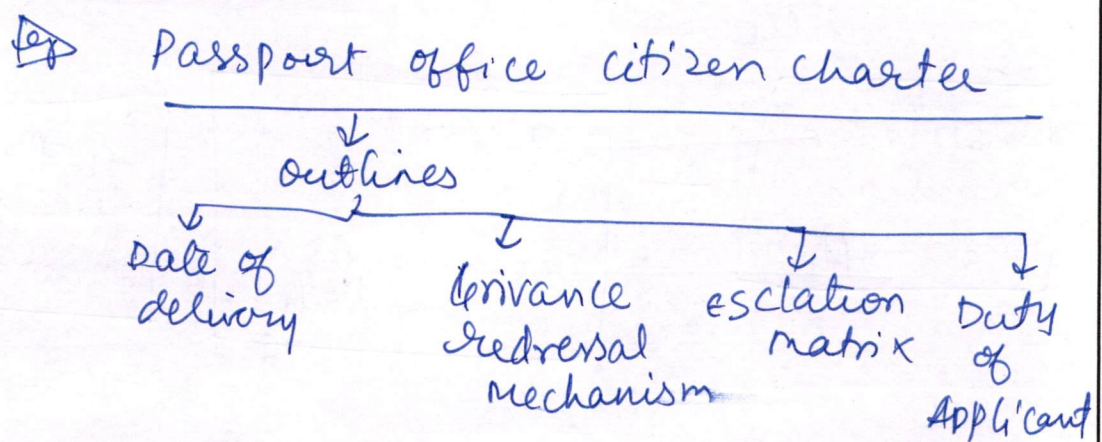
2. (a)

नागरिक चार्टर पहल उन समस्याओं के समाधान हेतु दीर्घकाल से जारी खोज की प्रतिक्रिया थी, जिनका सामना एक नागरिक को सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों के साथ जुड़ते समय प्रतिदिन करना पड़ता था। लेकिन भारत सरकार में नागरिक चार्टर की शुरुआत और कार्यान्वयन पुरानी नौकरशाही व्यवस्था एवं कार्यबल के कठोर रवैये के कारण मुश्किल रहा है। नागरिक चार्टर पहल को लागू करने में आने वाली प्रमुख बाधाओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

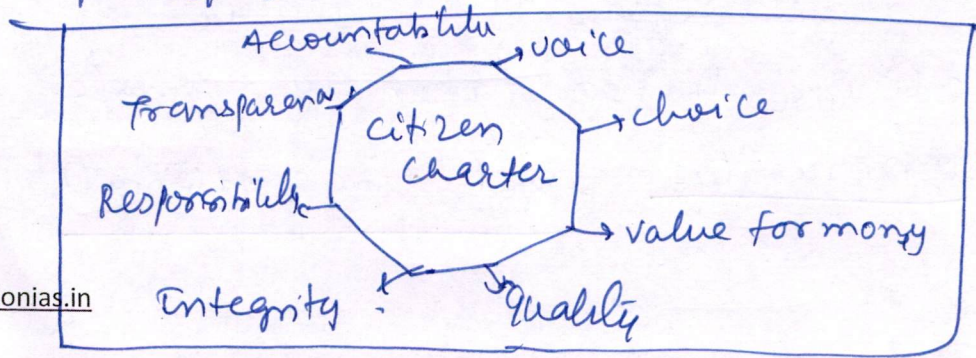
The Citizens' Charters initiative was a response to the quest for solving the problems, which a citizen encountered, day in and day out, while dealing with the organisations providing public services. But the introduction and implementation of Citizens' Charters in the government of India has been difficult due to the old bureaucratic set up and the rigid attitudes of the work force. Discuss the major obstacles that have been encountered in implementing the Citizens' Charter initiative. (Answer in 150 words)

10

Citizen charter is official document detailing about the quality of service delivery, responsibility of public officials and duty of beneficiaries.



Citizen charter solves the problems in adherence to following principles :-

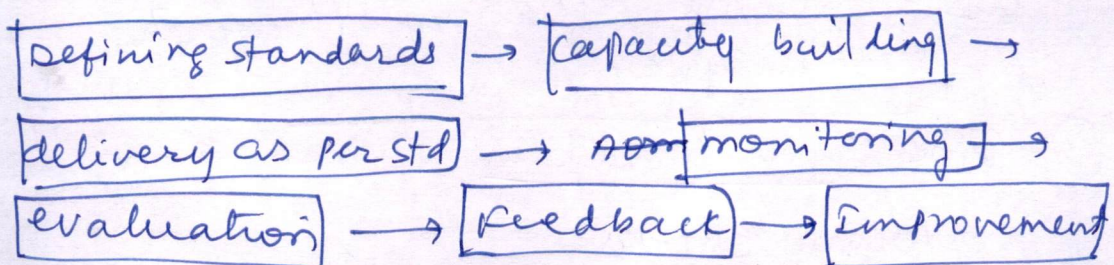


Obstacle in implementation of citizen charter :-

उम्मीदवारों को इस हशिप में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- ① Lack of Capacity building :-
Not sufficient resource to fulfill commitment
↳ Panchayat issue
- ② Rigid bureaucratic mindset →
2nd ARC highlighted absence of flexibility
↳ citizen charter require agile approach
- ③ Lack of awareness among citizen about their rights and duties
- ④ absence of grievance redressal mechanism and monitoring system
- ⑤ Top down approach in constructing Charter.

To resolve the issues 7 step model of 2nd ARC should be used



Citizen charter promote citizen centric governance
these must be strengthened.

2. (b)

सार्वजनिक सेवा वितरण की गुणवत्ता वर्ग, जाति, धर्म आदि के आधार पर विभाजित अत्यधिक विषमतापूर्ण समाज में कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता का एक प्रमुख निर्धारक है। इस पृष्ठभूमि में, क्या आपको लगता है कि भारत में कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक सेवा वितरण कुशल और पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Quality of public service delivery is a major determinant of the quality of life of vulnerable sections in a highly unequal society divided along the lines of class, caste, religion, etc. In this background, do you think that public service delivery is efficient and sufficient enough to improve the lives of vulnerable groups in India? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

Directive principle of state policy

declare India to be a welfare state (Article 37) where service delivery is required for vulnerable section.

Need of public service delivery for improving vulnerable section:-

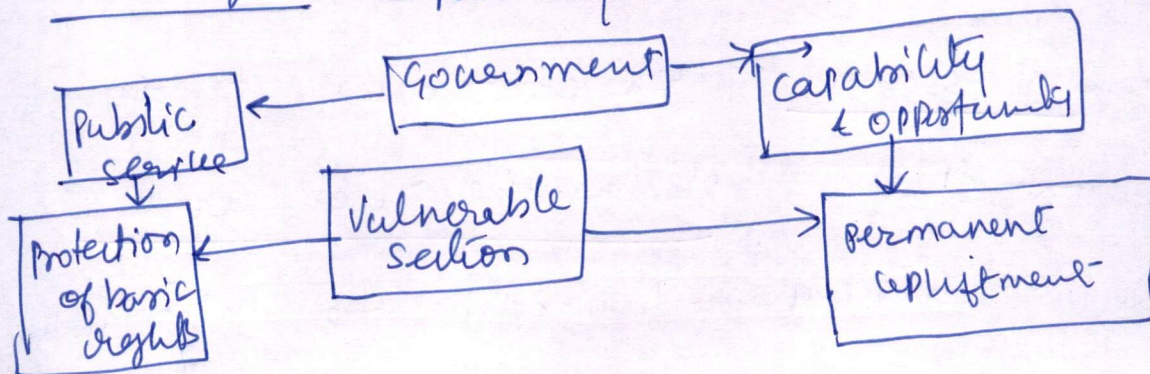
- ① ensure basic rights are provide to poor
 - ↳ quality of healthcare
- ② To provide dignified life and healthy mental state
 - ↳ Access to food and aid to vulnerable section
 - ↳ service delivery through PDS system.
- ③ Protect vulnerable section from external shocks
 - ↳ covid 19 or flood situation
 - ↳ enquire housing services

Public service is not sufficient:-

- ① Amartya Sen believes in capability approach of government intervention
↳ skill development, building human capital
↳ Job seeker will get opportunities

- ② Public service fulfill Gandhi's Talisman but upliftment and permanent poverty alleviation ~~is~~ required -

- ③ social security through public service but standard of life improvement through capability & opportunity



In addition, vulnerable section require protection of their liberty and justice in case of violation of human rights

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a) "बुद्धिमान व्यक्ति अपने धन का संचय नहीं करता है। जितना अधिक वह दूसरों को देता है, उतना ही अधिक उसके पास अपने लिए होता है।" - लाओत्से (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The wise man does not lay up his own treasures. The more he gives to others, the more he has for his own." - Lao Tzu (Answer in 150 words)

10

The one who is most wealthy
in the world is the one who
does maximum for others.

A wise man believes in
spreading good in society. The
real happiness comes from the
fact that others in the
~~so~~ surrounding are prospering.

For example, Ratan Tata
recently donated cancer hospital

in Assam. He continues to do
~~the same~~ philanthropic work

for society. According to him when
the community is safe and

prosper will ensure the real
wealth for him.

Gandhiji has stated that
~~is~~ ~~not~~ the wealth that we
have is not our own.
But we are the trustee
of such wealth and it
should be utilized for public
welfare.

Ethical and mature man
in society understood that
the more we give it to
Society the more have for
our own.

When we do good for others
it fulfills our greater ambition
in life, provide more inner
satisfaction in life.

Mohammad Ali Said, the Selfless
Service that we do is our ~~resent~~
for the room that we have on
earth.

3. (b)

"यदि शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता है, तो इस व्यवहार का संगठन में उच्च से निम्न स्तर तक अनुसरण होता है।"

- रॉबर्ट नॉयस (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"If ethics are poor at the top, that behavior is copied down through the organization." - Robert Noyce (Answer in 150 words)

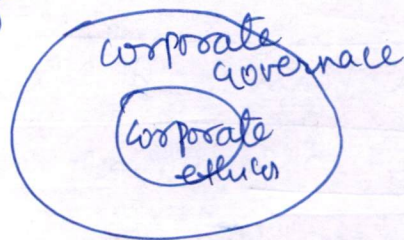
10

The quotation highlights the importance of corporate ethics in the organization. In an organization, behaviour and culture are set by higher officials.

If top management is unethical than the ~~how~~ whole system will be corrupt and organization will have unethical work culture.

Forexample, Vayamgan scam, Sharda scam are result of poor ethics at top.

Corporate governance core is corporate ethics. If ethics are weak than corporate governance will be very fragile and stakeholders will lose



Udaykotak committee has mentioned that strong corporate ethics leads to strong corporate governance and thus ensure growth of organization and the nation.

Impact of weak ethics at top

- ① poor vision and mission of organization
- ② No accountability and similar culture at low level.
- ③ centralized and unilateral decision making.

strong ethical principle at top

ensure that organization shine upon its vision. for example, ethical leadership of ISRO under Vikram Sarabhai, Dr. Kalam, Dr. K. Sivan has made it a most ~~best~~ successful example in country -

3. (c)

"कानून का उद्देश्य स्वतंत्रता को समाप्त करना या सीमित करना नहीं है, बल्कि इसे संरक्षित करना और बढ़ाना है।" - जॉन लॉक (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The end of law is not to abolish or restrain, but to preserve and enlarge freedom." - John Locke (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

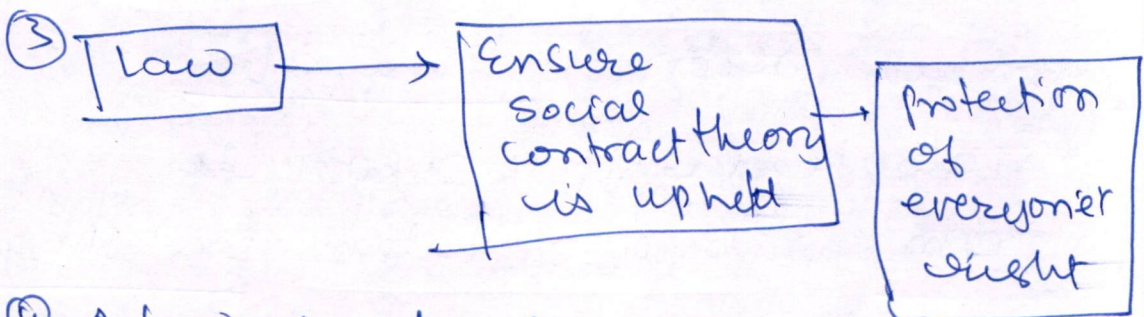
Laws are set of regulation and guidelines that have statutory backings. They are prescriptive in ~~nation~~ nature and guide human conduct.

~~Law~~ The end of law is not to abolish or restrain. —

① law provide framework for ethical behaviour.

② law restrict those event which hamper Peace in society

→ stealing and creating violence is unlawful.



④ A law are to provide Justice.

End of law is to preserve and enlarge freedom

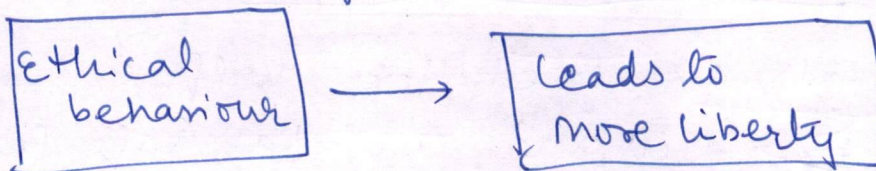
① law protects the collective freedom

→ Traffic laws ensure that we travel with freedom and without fear of security threat.

② law set a conducive environment in society

→ Transgender person (protection of right) act to preserve their right and provide dignity

③ laws act as a determinant or source of ethics in society



→ law of free election ensure suitable democracy

sometimes laws are more coercive because of the larger purpose it intend to fulfill.

4. (a)

दुनिया भर में अमीर CEOs और सफल व्यवसायों के संस्थापक तेजी से अपनी संपत्ति परोपकार के लिए दान करने का वादा कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि ऐसा कदम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Wealthy CEOs and founders of successful businesses around the world are increasingly pledging to give away their wealth in philanthropy. Do you think that such a move is sufficient enough to bring about a positive change in the society? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

Philanthropy is act of donating ~~their~~ one's own property / wealth to public welfare without any personal return.

→ Bill Gates donated his wealth for welfare.

Increase in trend for philanthropic activities

- ① more realization of higher value in life
- ② Value of giving back to community
- ③ virtue ethics in individuals

Benefit of such actions

- ① funds are used for welfare
→ Bill and Melinda Gate Foundation
- ② more example of such leadership have multiplier effect
- ③ social justice through N40s

however, such work are not sufficient for positive change in society! -

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

① society require those who do active participation in welfare & activity

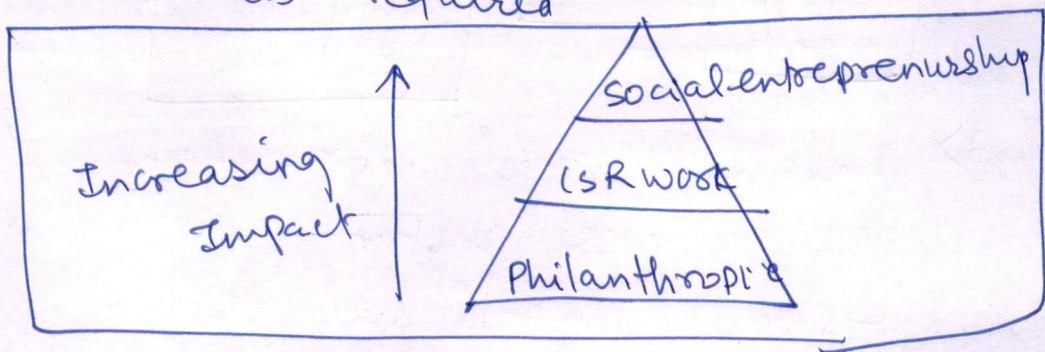
eg) Mother Teresa, Dr. APJ Kalam

② mere philanthropic act only ensure sufficient finance but society require love and compassion

↳ money cannot provide it

↳ eg) some good work during covid.

③ social entrepreneurship or line of Mohammad Yunus (Nobel Prize winner) is required



Thus, in addition to money we require active hand to motivate and uplift poors.

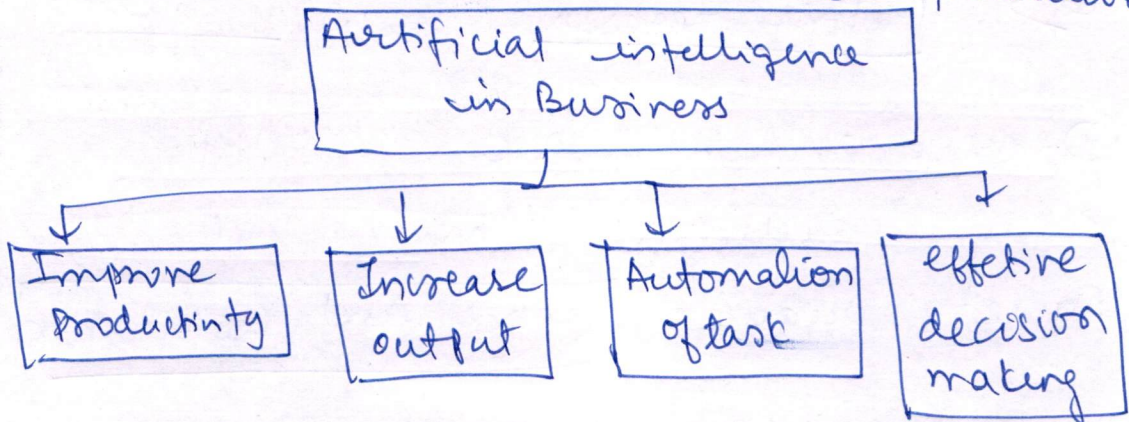
4. (b)

चूँकि दुनिया भर के संगठन अपना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) रूपांतरण आरंभ कर रहे हैं, इसलिए AI युग में छलांग ऐसी किसी भी तकनीक की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जिससे व्यवसायों को अभी तक जूझना पड़ा है। इस पृष्ठभूमि में, निष्पक्षता, पारदर्शिता और नौकरी की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As organizations across the globe begin their artificial intelligence (AI) transformation, the leap into the AI era is expected to be more challenging than any technology that businesses have grappled with yet. In this background, discuss the concerns around fairness, transparency, and job security that may arise. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

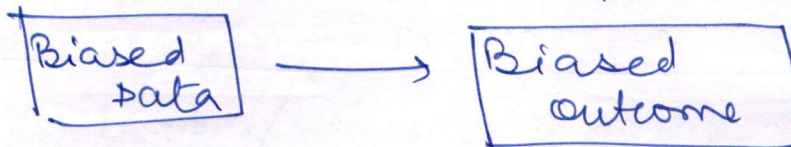
Artificial intelligence in business sector is a disruptive transformation.



concern with AI based solution

Fairness Challenge

1) Biasness in AI due to its dependence on input data



2) Inequality in adoption of AI across sector

↳ create unfair advantage to few

3) Lack of Job awareness about

Such skills to all.

Transparency concern

- 1) what goes in background is a black box
- 2) \Rightarrow chatGPT algorithm and source of information not known
- 2) Data security and privacy concern.

Job security

- 1) World Economic Forum (WEF) say AI will cause a loss of 75 mn jobs.
- 2) Automation with AI is reason for manual job loss.

To deal with such ethical challenges

Asilomar Principle of AI should be used. It calls for slow development with deal of ethical and assurance of transparency in the technology.

5. (a)

शिक्षा, सामाजिक समानता और नैतिक मूल्यों पर स्वामी दयानंद सरस्वती का बल समकालीन भारत में भी सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श को प्रभावित करता है। उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The emphasis of Swami Dayanand Saraswati on education, social equality, and ethical values continues to influence the socio-cultural discourse in contemporary India. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words)

10

Swami Dayanand Saraswati established Arya Samaj in 1875 to spread his teaching and bring positive change in society.

Influence of his teachings in present time :-

- ① Education on modern line where focus should be on value education
↳ Modern society require moral education
- 2) Swamiji talked about inclusive education and education for all
↳ NEP 2020 also calls for universal education
- ③ his back to veda highlighted importance of traditional knowledge system.

↳ In modern time also we are learning from traditional sources in mother tongue.

④ Swamiji was against women suppression and promoted widow remarriage, access to all class to religious affair.

↳ his teaching is apt in current scenario of crime against women and gender inequality.

⑤ Ethical values of Swami Dayanand such as compassion, rationality, empathy, public service and welfare are needed ~~are~~ are promoted in contemporary world.

Through Dayanand Public School, Swamiji promoted equality in society. His values and life lessons still guide our policy making and social conduct.

5. (b)

निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
Write short notes on the following in 30 words each :

2 x 5 = 10

- (i) लोक सेवा के प्रति समर्पण
Dedication to public service

Dedication to public service is complete devotion to welfare of others even outside the public official responsibility.

eg) D.R. APJ, Abdul Kalam continued social service even after retirement.

- (ii) लोक सेवा में गैर-पक्षपात
Non-partisanship in civil service

Non partisanship is being objective in decision making and not being inclined towards a particular group or party. It is core value of civil services.

eg) Sarveer Mehta gave up party once became speaker of LS.

- (iii) निर्णय-निर्माण में वस्तुनिष्ठता
Objectivity in decision-making

Objectivity is taking decision based on facts of the case, evidence and rational principle. Objectivity is one major value of Nolan principle.

eg) During communal riots decision should be objective rather than personal bias.

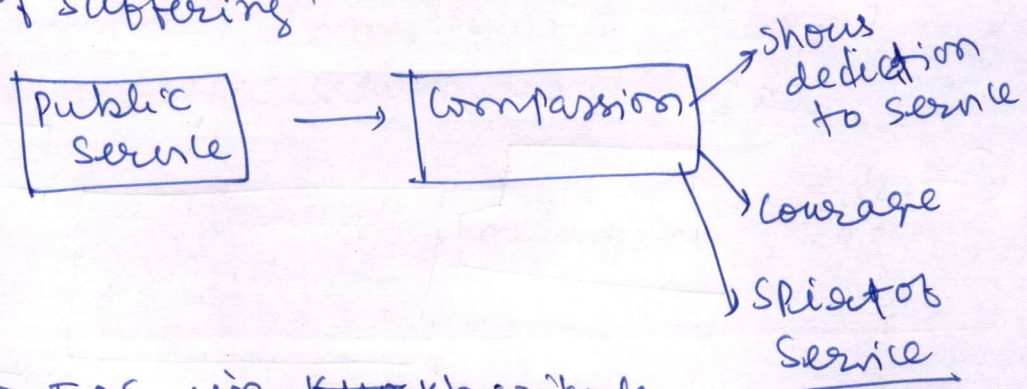
- (iv) बहुलवादी समाजों में सहिष्णुता
Tolerance in pluralistic societies

Tolerance is acceptance of diverse value system and opinion in society. coexistence of differences in opinion is tolerance

→ Different and conflicting religious practices still existing in democracy

- (v) लोक सेवा में करुणा
Compassion in public service

Compassion is understanding pain and suffering of others and working to relieve the cause of suffering.



→ IAS in ~~Kto~~ Kharz kode started compassionate kode to increase public service.

→ Compassion makes civil servant to work for weaker section of society.

6. (a)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता केवल भावनाओं या बुद्धिमत्ता से जुड़ी नहीं हो सकती है। इसमें व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल हो सकती है जो पेशेवर और रोजमर्रा की जिंदगी में सफलता का पूर्वनिर्धारण कर सकती है। विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Emotional intelligence may not be singularly associated with emotions or intelligence. It can also include a broad range of personality characteristics that might predict success in professional and everyday life. Discuss. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

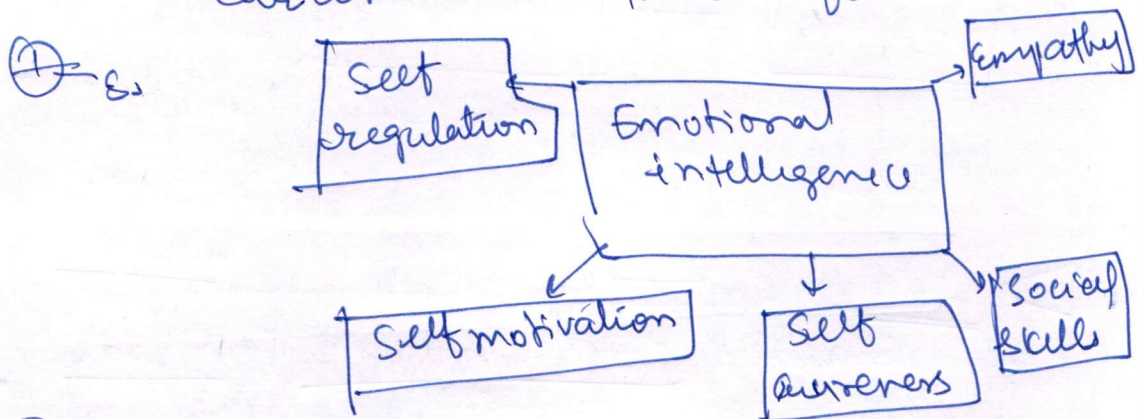
10

Emotional intelligence is ability to understand ones own emotions and emotions of others.

eg → Dr. Kalam understating emotions of work loaded subordinates and took their children to exhibition

It is not singularly associated with emotion and intelligence

* many components are there that predicts success in professional career & everyday life



① Self awareness is about knowing one's aptitude

eg → Sachin Tendulkar awareness about his aptitude in cricket

② Self motivation → in dealing with challenging situation

↳ Doctors during Covid were self motivated

③ Self regulation

↳ Adherence to moral principle
principle

↳ Emotional intelligence will ensure won't succumb not indulging in attractive temptations

④ Social skills → to deal with

effective interpersonal relation in career

↳ Dr Rajiv Gulera (AIIMS)

Success in dealing with vaccine hesitancy during Covid

⑤ Empathy → helps in understanding

Situation and difficulty of others.

↳ Empathy of S. Somawansy IAS donating office AC for public use.

Emotional intelligence determine 80% of Professional Success. (Goldman)

6. (b)

राज्य के नेतृत्व वाली जवाबदेही के पारंपरिक रूप, जिन्हें जवाबदेही की ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रणालियों के रूप में भी जाना जाता है, लगातार अपर्याप्त पाई जा रही हैं और उन्हें पूरक या प्रतिस्थापित करने के लिए असंख्य बहु-हितधारक और बॉटम-अप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोण सामने आए हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Traditional forms of state-led accountability, also characterised as vertical and horizontal channels of accountability, are increasingly found to be inadequate, and a myriad of multi-stakeholder and bottom-up citizen directed approaches have come to the fore, to supplement or supplant them. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Accountability is holding

Public official or servant answerable to actions and inactions done by him or her in discharge of public duty.

Vertical accountability Horizontal accountability

1) Public official accountable to Seniors.

1) Accountability towards Colleagues.

2) IAS officer accountable to Political executive

2) Cross departmental accountability

Why inadequate in present time?

① Lack of transparency in the system.

↳ no information

② Disconnection between

use of service and delivery

of service.

- ③ Delay in execution of accountability
- ④ Nexus among different layers of public administration -

Multistakeholder and Bottom up approach of accountability :-

- ① Social auditing of project → (eg) MNREGA
- ② Social accounting
- ③ Social Feedback (eg) Delhi school
- ④ Tan Surwai of public officials to check effectiveness

Advantage of such mechanism :-

- ① Direct response from end user.
- 2) Citizen empowerment and direct democracy, promotion
- 3) Low chances of corrupt practice in accountability

Such social accountability should be promoted and given the legal basis for more effectiveness.

7.

भारत के एक महानगरीय शहर में, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अपनी अपराध-रोधी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक को अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने चेहरे की पहचान की एक प्रणाली लागू की जिसे शहर भर में मौजूदा निगरानी कैमरों के साथ एकीकृत किया गया। इसने व्यक्तियों की रियल टाइम आधारित पहचान और ट्रैकिंग को सक्षम बनाया। इस प्रणाली का उद्देश्य ज्ञात अपराधियों, लापता व्यक्तियों और चल रही जांच में संदिग्धों की पहचान करने में सहायता करना था।

एक शाम, किसी महिला ने लूटपाट की एक घटना की सूचना दी, जहां अपराधी ने एक हुडी पहनी थी, जिससे उसका अधिकांश चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। पीड़िता ने पुलिस को एक अस्पष्ट विवरण प्रदान किया और उस जानकारी के आधार पर, अधिकारियों ने संभावित संदिग्धों का पता लगाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया। सिस्टम ने अपराध स्थल के पास विभिन्न स्थानों से प्राप्त निगरानी कैमरों की फुटेज को गहनता से स्कैन किया।

चेहरे की पहचान एल्गोरिथ्म ने संभावित मिलानों की एक सूची तैयार की और एक व्यक्ति की छवि सामने आई, जो पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए विवरण के साथ मेल खा रही थी। पुलिस ने उस व्यक्ति को मुख्य संदिग्ध माना और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, यह पता चला कि गिरफ्तार व्यक्ति निर्दोष था। आगे की जांच से पता चला कि चेहरे की पहचान प्रणाली ने प्रौद्योगिकी की सीमाओं और पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए आंशिक विवरण के कारण निर्दोष व्यक्ति की गलत पहचान की थी। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति को रिहा कर दिया; फिर भी उसकी प्रतिष्ठा जीवन भर के लिए कलंकित हो गई। उसे उसके परिवार सहित, उसके वर्तमान निवास स्थान से बेदखल कर दिया गया था। इस घटना का मनोवैज्ञानिक प्रभाव अत्यधिक गहरा है जिसके कारण उसकी नौकरी भी खतरे में है।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- (a) इस प्रकरण में शामिल मुद्दे कौन-से हैं?
(b) ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?
(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In a metropolitan city of India, the law enforcement authorities decided to adopt facial recognition technology to improve their crime-fighting capabilities. They implemented a facial recognition system that integrated with existing surveillance cameras across the city, allowing real-time identification and tracking of individuals. The system was intended to assist in identifying known criminals, missing persons, and suspects in ongoing investigations.

One evening, a woman reported a mugging incident where the perpetrator wore a hoodie, obscuring most of his face. The victim provided a vague description to the police, and based on that information, the authorities decided to use facial recognition technology to locate potential suspects. The system scanned through hours of surveillance footage from various locations near the crime scene.

The facial recognition algorithm generated a list of potential matches, and one individual's image stood out as a close match to the description provided by the victim. The police considered this individual a prime suspect and proceeded with his arrest. Subsequently, it was discovered that the arrested person was innocent. Further investigation revealed that the facial recognition system had misidentified the innocent individual due to the limitations of the technology and the partial description provided by the victim. The police released the arrested individual; still his reputation got tarnished for life. He, along with his family, was evicted from their current place of residence. The psychological impact of the incident has been tremendous owing to which his job is also on the line.

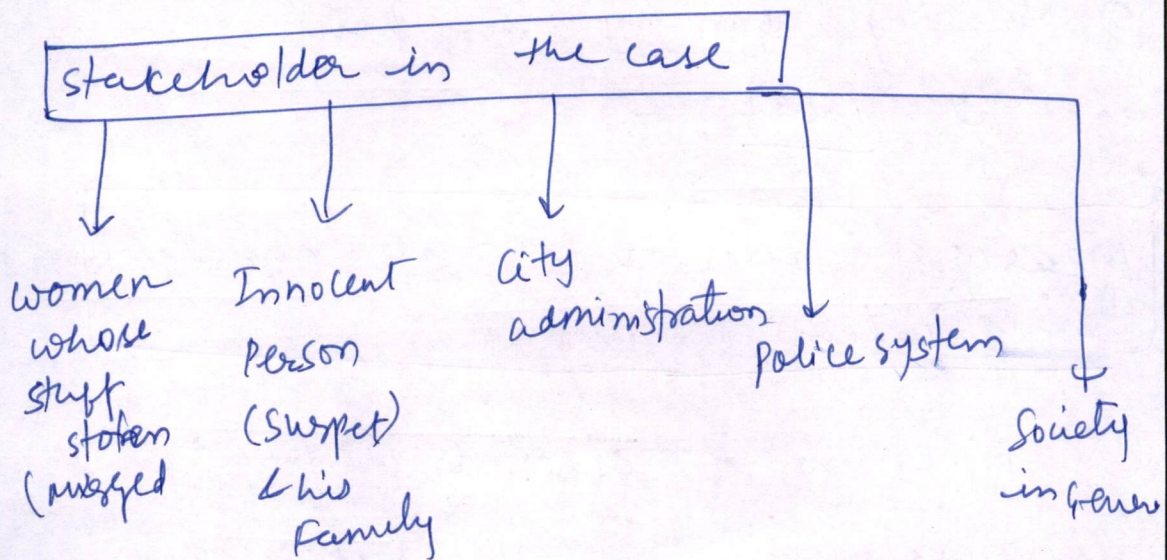
With reference to this case study, answer the following:

- (a) What are the issues involved in this case?
(b) What measures can be taken to minimize the negative implications of adopting such technologies? (Answer in 250 words)

20

उम्मीदवारों को इस हाथिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Technology in governance is considered as capability enhancement step. However, the limitations to their effectiveness has been highlighted in the case where because of insufficient input innocent was arrested.



① ethical issues in this case

- (a) over reliance of on technology to solve the case
↳ Non application of own rationality

- ② ~~Intf~~ Insufficient input provided and arrest made of such output
- ③ suspect nature turned into final decision to arrest without investigation
- ④ Trust of common man on police system and tools furnished
- ⑤ Threat to life and reputation of common public (Innocent citizen)
- ⑥ Declaring guilty without any Proof.

② Measures ^{can be} taken to prevent negative implication

- ① Training of officials about correct use of any technology
↳ essential input required
- ② Due diligence on the outcome provided by technology.
- ③ Technology should be used for assistance, not making final decision

- ④ SMART Policing Principle
where police is Tech savy
but at same time responsible
too
- ⑤ Awareness in public about
such technological solutions and
input required
- ⑥ Co-existence of Technological
solutions along with the
traditional capabilities
- ⑦ Keeping the identity and
information about suspect safe
↳ Difference in Potential suspect
and real suspect
→ Technology provided potential
suspect list
- ⑧ Always keep in mind that
what can go wrong with
technological solution
(Precautionary solution / approach)

In this way adoption of
Technological Solution will
be more cautious and
cautious and miscarriage
of Justice can be avaided.

8.

रीना और उसके कॉलेज के दोस्त पिछले कुछ महीनों से एक कंपनी में इंटर्न के रूप में काम कर रहे थे। इंटर्नशिप पूरी होने पर रीना समेत उनमें से कुछ को कंपनी में पूर्णकालिक नौकरी की पेशकश की गई है। एक प्रतिष्ठित कंपनी होने के नाते, उसने और उसके दोस्तों ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रीना अपनी नई नौकरी को लेकर उत्साहित है और उसने अपनी इंटर्नशिप के दौरान अपनी कंपनी के कुछ सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध भी स्थापित किए हैं। हालांकि, एक इंटर्न के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, रीना ने नोटिस किया था कि कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट्स (VPs) में से एक उस पर बहुत अधिक ध्यान दे रहा था। वह रीना के कक्ष में रुकने और बातचीत करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करता था, यह व्यवहार वह किसी अन्य इंटर्न के साथ नहीं कर रहा था। उसने सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी रीना से जुड़ने की कोशिश की थी। उसके कुछ को-इंटर्न ने भी इस पर ध्यान दिया और VP द्वारा दिए जा रहे अतिरिक्त ध्यान के बारे में रीना पर अनाप-शनाप टिप्पणियां करना शुरू कर दिया।

अब जब उसे पूर्णकालिक पद पर नियुक्त कर लिया गया है, तो उसे डर है कि उसे सीधे इस VP के साथ काम करना पड़ सकता है। हालांकि, VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी अनुचित नहीं किया है या कहा है, अतिरिक्त ध्यान दिए जाने और उसके सहकर्मियों द्वारा भी इस पर ध्यान दिए जाने के कारण वह बहुत असहज हो गई और कार्य पर उसकी एकाग्रता कम हो गई।

कंपनी एक खुले और मैत्रीपूर्ण माहौल को प्रोत्साहित करती है और जब उसे काम पर रखा गया था, तो उसे बताया गया था कि जब भी काम से संबंधित किसी भी असुविधाजनक समस्या का सामना करना पड़े तो उसे हमेशा अपने प्रबंधक से बात करनी चाहिए। हालांकि, वह इस बारे में आधिकारिक तौर पर बोलने को लेकर चिंतित है, क्योंकि VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी गलत नहीं किया है।

दी गई स्थिति में:

- रीना को किन दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?
- उसके पास क्या विकल्प हैं? प्रत्येक के गुण और दोष बताइए।
- उसके द्वारा अपनाई जाने वाली कार्रवाई को रेखांकित कीजिए, साथ ही उसका औचित्य सिद्ध कीजिए।
(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Rina and her friends from the college were working as interns with a company for the last few months. On completion of their internship, some of them, including Rina, have been offered full-time jobs in the company. Being a reputed company, she and her friends accepted the offer. Rina is enthusiastic about her new job and has even established good relationship with some of her company co-workers during her internship. However, during her tenure as an intern, Rina had begun to notice that one of the Vice-Presidents (VPs) of the company was giving her too much attention. He used to make an extra effort to stop by Rina's cubicle and chat, something he was not doing with any of the other interns. He had even tried to connect with Rina over social networking sites. Some of her co-interns also noticed this and began to make offhand comments to Rina about the extra attention being given by the VP.

Now that she has been hired for a full time position, she is fearful that she might have to work with this VP directly. While he has not done or said anything explicitly inappropriate, the extra attention and the fact that her co-workers noticed it, made her very uncomfortable and undermined her concentration at work.

The company encourages an open and friendly atmosphere and when she was hired, it was communicated to her that she should always speak to her Manager whenever faced with any uncomfortable work related issues. However, she is concerned to speak about it officially, as the VP has not explicitly done anything wrong.

In the given situation:

- (a) What dilemmas does Rina face?
(b) What options does she have? Provide the merits and demerits of each.
(c) Highlight the course of action she should adopt, along with justification for the same.
(Answer in 250 words)

20

Ethical work culture determines the mental health, physical wellbeing and productivity of an employee.

Case represent a situation of development of uncomfortable work culture that undermines the dignity

state (a) Dilemma faced by Rina

- ① Definition of sexual harassment
↳ VP not done anything yet but made situation difficult
- ② Personal well being vs professional reputation
↳ should complaint about VP or not
- ③ Principle of organization vs no explicit conduct of harm by VP
↳ organization promote speaking up against any concerns

④ Job security vs work relations
↳ as action against VP may threaten the job security

⑥ In the given situation Rina has following options

① Do not do anything as VP has not done ~~an~~ anything explicitly.

merit	demerit
① NO harm to job security	① Danger to mental health
② Good reputation with VP as she will be working with him	② potential cause of sexual harassment in future
	③ offhand comment by colleagues
	④ against company's principle
	⑤ poor work culture

Option 2 → Resign from Job and look for other options

merit	Demerit
<ol style="list-style-type: none"> ① Job insecure Mental pressure released ② No comments from colleagues 	<ol style="list-style-type: none"> ① Job insecurity ② display of lack of courage for right things ③ may face similar situation at new place

option 3 speak to her manager about the present situation & seeking suggestion

merit	Demerit
<ol style="list-style-type: none"> ① managers action will ensure effective resolution ② She may not have to work with VP ③ good ethical relation with <u>colleagues</u> ④ Upholds values & virtue in life 	<ol style="list-style-type: none"> ① no manager may not take any action ② Relation with VP will be <u>strained</u>

As per my opinion Rina should choose 3rd option of informing her manager

In addition following should be done:-

- ① Keeping record of official written complaints

- ② If manager is not responsive
↳ reaching to human resource department

Reason for such steps for Rina

- ① As early in her career any ~~work~~ unethical incidence will have long lasting impact
- ② zero tolerance for pre sexual harassment at workplace.
- ③ mankyng colleague uncomfortable is sufficient ground.
- ④ she will set high moral standards for herself.
- ⑤ virtuous life will take her towards higher leadership roles.

In this way, corporate work culture should be made more conducive.

9.

आपको हाल ही में एक ऐसे जिले में नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है, जहां परीक्षाओं में सामूहिक नकल एक नियमित घटना है। मीडिया रिपोर्ट्स में जिले में माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा दे रहे छात्रों को उत्तर चिट देने के लिए माता-पिता और रिश्तेदारों को स्कूल की दीवारों एवं इमारतों को फांदते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा, नए तकनीकी उपकरणों के आगमन के साथ, परीक्षाओं में नकल करना और अधिक परिष्कृत हो गया है एवं परीक्षा नियमों का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है। जांच करने पर, यह पता चला है कि ये रैकेट कई स्कूल अधिकारियों द्वारा चलाए जाते हैं, जिनमें परीक्षा पर्यवेक्षक भी शामिल हैं, जो मुख्य रूप से शिक्षक हैं और वे मुनाफे के लिए एक-दूसरे से मिले हुए हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण, पर्यवेक्षक कोई कार्रवाई किए जाने पर सामूहिक हड़ताल पर जाने की धमकी देते हैं। परीक्षाएं आयोजित करना, नकल के कारण उन्हें रद्द करना और पुनः परीक्षाएं कराना सरकार के लिए समय और धन की हानि है तथा यह दुष्चक्र चलता रहता है।

जिले के नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों का समाधान कीजिए:

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- प्रस्तुत प्रकरण में आप समस्याओं का समाधान कैसे करेंगे?
- विभिन्न परीक्षाओं में नकल के खतरे से निपटने के लिए क्या दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जानी चाहिए?
(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have recently been posted as a Nodal Education Officer in one of the districts, where mass cheating in examinations is a regular phenomenon. Media reports have shown parents and relatives scaling school walls and buildings to pass answer chits to students taking secondary school examinations in the district. Moreover, with the advent of new technological devices, cheating in examinations has become more sophisticated and exam rules are flouted openly. On investigation, it has come to your notice that these rackets are run by many school authorities, including exam invigilators who are mostly teachers, and they are hand in glove for profits. With a shortage of staff, invigilators threaten go on mass strikes if any action is taken. Conducting the exams, cancelling them on account of cheating and having re-exams are a loss of time and money for the government and this vicious cycle goes on.

As the Nodal Education Officer of the district, address the following questions:

- What are the ethical issues involved in the above case?
- How will you resolve the issues in the given case?
- What long-term strategy needs to be adopted to deal with the menace of cheating in various examinations? (Answer in 250 words) 20

Education foundation should be merit based and unethical practice of cheating should not hold any room. This created lack of values in education system that promotes ~~the~~ cheating.

Stakeholders in this case

- 1) Modal education officer (ME)
- 2) Parent & relatives of students
- 3) Students ~~teachers~~ cheating & meritorious Students
- 4) School authority and invigilator
- 5) community at large.

(c) Ethical issues involved in case

- ① absence of moral value in family
↳ Parents promoting cheating
- ② School authority ~~as~~ legalizing and permitting cheating
- ③ Technological capabilities ~~as~~ vs unethical use
↳ use of mobile phone in cheat.
- ④ Value of Public resource ~~as~~ vs rule of law.
- ⑤ Perpetrator threatening to go on strike, in action taken
- ⑥ equality in evaluation and injustice to meritorious students

⑦ Legitimization of cheating by community vs making it a social evil

⑧ preparation of unethical workforce and future leaders

⑩ To resolve the given case following steps will be taken: —

① strict inspection in ongoing examination and zero tolerance to any cheating

2) Not bowing down to threat of staffs and upholding values of education

3) Demanding additional workforce from district officer to conduct Fair examination

4) strict action against those involved in cheating process.

5) Technological solutions such as Jammer in exams ministry.

⑥ Registering the cheating and discussion with official for cancelling of examination.

② long term Strategy for resolution of such menaces

① Student level :-

- 1) Moral education in school
- 2) making student aware of such practices and future consequences
- 3) Improving education status in school to ensure quality and adequate education

② Parents and community level

- 1) moral overhauling of values of parents
- 2) leadership conferences in community about need of ethical nurturing of children.

③ At school level :-

- 1) zero cheating tolerance and implementation of Right to education 2009 Act codes.

② help of dis locals to understand
motive of teachers in cheating,

③ strict surveillance ~~mea~~ measures
in schools

④ For cheating rackets

1) mass drive for controlling
such illegal act

2) Help of district magistrate to
take legal action against such
rackets

Education is most impart for
national development.

"Child of today is men of tomorrow"

Unethical practices in education
should be strictly prohibited.

गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के अनेक समर्थकों का तर्क है कि हिंद महासागर से बड़ी मात्रा में दुर्लभ-भू धातुओं के दोहन से भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को बढ़ावा देने, इसकी अर्थव्यवस्था और कार्यबल को मजबूत करने एवं रणनीतिक खनिजों की भरोसेमंद आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने समुद्र तल से 6,000 मीटर की गहराई में हिंद महासागर के तल से निकेल, कोबाल्ट, मँगनीज और आयरन हाइड्रॉक्साइड के खनन की विधियों का अध्ययन करने के लिए 540 मिलियन डॉलर के एक कार्यक्रम को मंजूरी दी है। सरकार का तर्क है कि यह परियोजना 100 वर्षों तक भारत की संवृद्धि को शक्ति प्रदान कर सकती है। यह जलवायु परिवर्तन का भी अध्ययन करेगा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों का पता लगाएगा एवं तापीय ऊर्जा का उपयोग करेगा।

हालांकि, एक प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण का आरोप है कि गहरे समुद्र में ड्रिलिंग से पर्यावरण को अत्यधिक खतरा है। स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों द्वारा संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था पर एक व्यापक रिपोर्ट में कहा गया है कि "जब तक गहरे समुद्र में खनन की आवश्यकता और इसके संभावित परिणामों को बेहतर ढंग से नहीं समझा जाता है, तब तक इस अवधारणा को एक संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था की परिभाषा के साथ संरेखित करना वैचारिक रूप से कठिन है। इसके अलावा यह विभिन्न पर्यावरणीय, कानूनी और शासन संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्यों के साथ संभावित टकराव के मुद्दों को भी उत्पन्न करता है।"

यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि सरकारी समर्थन या तुलनात्मक रूप से कम करों के बिना, राष्ट्रीय खनन कार्यों की लाभप्रदता संदिग्ध बनी हुई है। यदि परिचालन लाभदायक होता है, तो यह मानवता की साझी विरासत से प्राप्त संसाधन से होने वाले लाभ के न्यायसंगत बंटवारे के बारे में भी प्रश्न उठाएगा।

इसके अतिरिक्त, BMW, वोल्वो, गूगल और कोरियाई बैटरी निर्माता सैमसंग SDI जैसी कंपनियों ने एक बयान में गहरे समुद्र में खनन से उत्पन्न धातुओं को तब तक नहीं खरीदने की प्रतिबद्धता प्रकट की है, जब तक कि इस गतिविधि के पर्यावरणीय जोखिमों को "व्यापक रूप से समझा नहीं जाता" है।

उपर्युक्त जानकारी के संदर्भ में, निम्नलिखित पर ध्यान दीजिए:

- प्रस्तुत प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- महासागरों की संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को कैसे प्राप्त किया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Many proponents of deep-sea drilling argue that tapping into the vast amount of rare earth elements in the Indian Ocean will help shore up national security interests for India, bolster its economy and workforce, and offer a reliable supply of strategic minerals. Keeping this in mind, the government has approved a \$540-million programme to study ways of mining nickel, cobalt, manganese and iron hydroxide from the bed of the Indian Ocean 6,000 meters below sea level. The government argues that the project can power India's growth for 100 years. It will also study climate change, explore marine flora and fauna and harness thermal energy.

However, a competing point of view alleges that deep ocean drilling poses immense risk to the environment. A comprehensive report on Sustainable Ocean Economy by independent geologists states that "until the need for, and potential consequences of, deep-sea mining are better understood, the concept is conceptually difficult to align with the definition of a sustainable ocean economy and raises various environmental, legal and governance challenges, as well as possible conflicts with the UN Sustainable Development Goals."

It also highlights that the profitability of national mining operations, without governmental support or comparably low taxes, remains questionable. If the operations are profitable, it will also raise questions about the equitable sharing of profits derived from a resource taken out of humanity's common heritage.

Additionally, companies like BMW, Volvo, Google and Korean battery maker Samsung SDI, vowed in a statement to not buy metals produced from deep-sea mining until the environmental risks of the activity are "comprehensively understood."

In the context of the above-stated information, address the following:

- (a) What are the ethical issues in the given case study?
(b) How can the vision of economic development of a nation be achieved without adversely affecting the sustainability of oceans? (Answer in 250 words) 20

Development comes at cost of environment & sustainability principles are not strictly followed. Deep sea mining provide an unique opportunity to fulfill need but also project immense threat to economy of ocean.

④ Ethical issues in the given case study

- 1) National security vs environmental conservation
- 2) Protection of nature's own state vs human intervention for personal benefit
- 3) Threat to biodiversity of ocean
↳ Putting human needs above value of life of marine animals

- (iv) Huge money For Deep sea mining
vs need of money For welfare
Services
- (v) Consequences of deep sea mining
not completely analyzed and
Project sanctioned.
- (vi) Sustainable Ocean Economy
report raises concern about
need of sun resources.
↳ quoted vs actual need
- (vii) Against UN sustainable developmental
Goals. Agenda 2030 → Goal 13
Goal 14 of ocean life below water.
- (viii) Ocean pollution threat
- (ix) Demand side restraint & resistance
b. from big companies.
- (6) To achieve vision of economic
development without harming
sustainability of ocean
- (1) Environment impact analysis
(EIA) should be done

before such project-

- (ii) Adequate research on feasibility of such extraction and potential damage
- (iii) Analysis of damage against the gain achieved from such projects
- (iv) community participation and wider stakeholder consultation to achieve sustainable benefit sharing.
- (v) Incorporation of technological expertise of organization such as BMW, Volvo etc to understand environmental consequences better.
- (vi) Following precautionary approach in exploration of deep ocean.

(iii) putting forward positive outcome of such analysis such as climate change study, marine flora & fauna for wider consensus

(iv) Using non harmful marine potential

↳ geothermal energy, tidal energy

renewable marine resource.

Environmental conservation should be given priority in economic development to ensure.

adequate long term sustainability in actual terms.

श्री वाई ने अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा धार्मिक पूजा स्थल के निर्माण हेतु जंगल की तलहटी में स्थित एक शहर में 40 एकड़ जमीन खरीदी। पूजा स्थल की योजना में अनेक परस्पर जुड़ी इमारतों, बालकनियों और पानी के फव्वारों का निर्माण किया जाना था। पूजा का केंद्र होने के अलावा, इस स्थान का उद्देश्य दूर-दूर से आने वाले कई उपासकों के लिए आवास प्रदान करना है। योजना को देखने वाला हर कोई इस बात पर सहमत है कि संरचना असाधारण रूप से सुंदर साबित होगी। विडंबना यह है कि इस स्थल की सुंदरता क्षेत्र के स्थानीय निवासियों के बीच चिंता का मुख्य कारण बन गई है, जिनमें से एक बड़ा प्रतिशत एक अलग धार्मिक समुदाय से है। उनमें से कई लोगों का मानना है कि यह स्थान पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन सकता है, जिससे यातायात की समस्याएं पैदा हो सकती हैं और उनके पड़ोस की शांत जीवन शैली खराब हो सकती है। कम-से-कम, हजारों उपासकों के नियमित रूप से इस स्थान पर आने की उम्मीद है।

कई निवासी सोचते हैं कि उनका पड़ोस न तो इस आकार के परिसर के निर्माण और न ही इतने लोगों, जितनों को समायोजित करने की अपेक्षा की गई है, के लिए यह उपयुक्त है। यहां 1,500 लोगों तक के इकट्ठा होने की अपेक्षा की गई है, हालांकि साइट तक केवल एक दो लेन की सड़क उपलब्ध है। विरोधियों का तर्क है कि इतने ट्रैफिक से आवागमन में समस्याएं पैदा होंगी और बच्चों एवं साइकिल चालकों द्वारा यात्रा के लिए अत्यधिक प्रयोग की जाने वाली सड़कों पर खतरे पैदा होंगे। बढ़ते ट्रैफिक से पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इस बीच अन्य लोग इस विरोध के पीछे एक और अधिक घातक कारण देते हैं: पूर्वाग्रह। उन्हें आश्चर्य है कि क्या पूजा स्थल पर आपत्ति जताने वाले लोग धार्मिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित हैं।

लेकिन निर्माण का विरोध करने वालों का कहना है कि धर्म का इससे कोई लेना-देना नहीं है और वे ऐसे किसी भी प्रकार के विकास का विरोध करते हैं जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम हो। अतः, इस मामले में उन्हें सिर्फ आकार और स्थान को लेकर समस्या है।

विरोध के जवाब में, शहर के योजनाकारों ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि क्षेत्र के लिए उपयुक्त शहर निर्माण संबंधी सभी दिशा-निर्देशों और ज़ोनिंग नियमों का पालन किया जाएगा। इसलिए उन्हें निर्माण की योजना रोकने का कोई कारण नजर नहीं आता।

हालांकि, विरोधियों का आरोप है कि शहर के योजनाकार सही पर्यावरणीय प्रभाव रिपोर्ट तैयार करने में विफल रहे हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने उन निवासियों को ठीक से सूचित नहीं किया, जिनके प्रभावित होने की संभावना है, जबकि यह अभी भी योजना के शुरुआती, लचीले चरणों में है।

(a) आप एक जिला मजिस्ट्रेट हैं और यह क्षेत्र आपके क्षेत्राधिकार में आता है। दोनों पक्षों के लोग अपनी शिकायतें लेकर आपके पास आए हैं। आप दोनों दृष्टिकोणों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्या करेंगे?

(b) कार्रवाई के निम्नलिखित संभावित तरीकों के गुण और दोषों का उल्लेख कीजिए:

- (1) क्षेत्र के निवासियों के विरोध को नजरअंदाज करना और धार्मिक पूजा स्थल को मौजूदा नियमों के अनुसार बनाने की अनुमति दे देना।
- (2) नए पूजा स्थल पर भरोसा करने वाले हजारों उपासकों को निराश करते हुए, निवासियों से सहमत होकर निर्माण पर रोक लगा देना।
- (3) एक समझौते के रूप में, आपके द्वारा पूजा स्थल पर भवन निर्माण संबंधी अतिरिक्त नियमों को लागू किया जाना या डिजाइन में संशोधन पर बल दिया जाना। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. Y. purchased 40 acres of land in a city located in the forested foothill for the construction of a place of religious worship by members of his community. The plans for the worship place called for numerous interconnected buildings, balconies, and water fountains. In addition to being a centre for worship, the place is intended to provide a residence for many worshippers who travel from far-off locations. Everyone looking at the plan agrees that the structure should prove to be extraordinarily beautiful. Ironically, the beauty of the site has become a chief cause for concern among the local residents of the area, a significant percentage of whom belong to a different

religious community. Many of them believe that the place may become a tourist attraction, causing traffic problems and the degradation of the tranquil lifestyle of their neighbourhood. At the least, thousands of worshippers are expected to visit the place regularly.

Many residents think their neighbourhood is not suitable for a facility of this size, nor for the number of people it is expected to accommodate. The congregation plans to have gatherings of up to 1,500 people, though only a single two-lane road approaches the site. The traffic, opponents argue, will cause commuting problems and introduce hazards on roads frequented by children and bicyclists. Increased traffic could also have an adverse impact on the environment.

Meanwhile others see a more insidious reason behind the opposition: prejudice. They wonder if those who object to the worship place are motivated by religious biases.

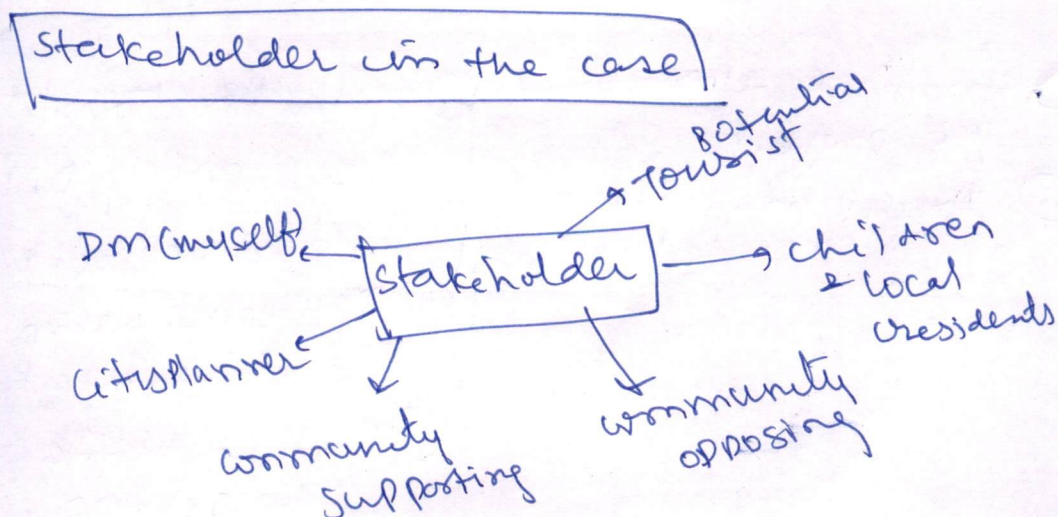
But those who oppose the construction insist that religion has nothing to do with it and they are opposed to any type of development that would lead to traffic congestion in the area. So, they just have an issue with the size and location in this case.

In answer to the opposition, city planners have assured the residents that all of the city's guidelines and zoning regulations relevant to the area will be followed. They see no reason to stop the plan of construction.

However, the opponents allege that the city planners have failed to prepare an adequate environmental impact report and, more importantly, did not properly notify residents, who are likely to be affected, while it was still in its nascent, flexible stages of planning.

- (a) You are a District Magistrate and the area lies in your jurisdiction. People from both sides have approached you with their grievances. What would you do to reconcile the two points of view?
- (b) Mention the merits and demerits of the following potential courses of action:
- (1) Ignore the opposition from the residents of the area and allow the place of religious worship to be built in accordance with the existing regulations.
 - (2) Prohibit the construction, agreeing with the residents while causing distress among the thousands of worshippers counting on the new place of worship.
 - (3) As a compromise, you place additional building regulations on the worship place or insist on modifications to the design. (Answer in 250 words)
- 20

The case is related to -
impact of development on local
and fragile system.



(a) As a district magistrate,
on being approached, I will do
the following:-

- (1) Peaceful hearing of concerns of both the side
- (2) halting construction till the final decision is made
- (3) ~~Just~~ Judging the issue on merit of the case without any prejudices or biasness.
- (4) Independent enquiry committee to deal with concerns.

(b) (a) Ignoring opposition and allowing construction.

Merit

- (1) Economy of area will be prospering
- (2) smooth development of project
- (3) Tourism will be promoted

Demerit

- (1) Tussle in both community
- (2) Show irrational decision by DM and biased behaviour
- (3) may cause harm to local resident
- (4) Future traffic congestion

② Prohibit the construction and
agreeing with resident opposing

<u>Merit</u>	<u>Demerit</u>
<p>① Opposition community satisfied</p> <p>② No conflict in society as opposition are majority here</p>	<p>① Loss of developmental opportunity for area</p> <p>② Not just in rejecting proposal without analyzing</p> <p>③ against right of business of <u>city planner</u></p> <p>④ may harm in long term.</p>

③ Additional regulation or design changes

<u>Merit</u>	<u>Demerit</u>
<p>① will ensure <u>environment conservation</u></p> <p>② ensure that city planner's reputation not affected on this one</p>	<p>① may delay the execution of project</p> <p>② Increase in cost</p>

③ both the sides will be satisfied as their concerns are heard

④ good example for future environmental projects.

Justification of 3rd decision

1) Principle of Justice ensures

2) Shows non partisanship

3) Development vs Environment principle protected.

In any project in fragile system

Environment assessment and community participation ensures principle of sustainability.

आप एक ऐसे राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए जनप्रतिनिधि हैं, जिन्हें कई लोग रूढ़िवादी मानते हैं। आपकी बेटी, जो वर्षों बाद विदेश से पढ़ाई करके लौटी है, ने आपको दूसरे समुदाय के व्यक्ति से शादी करने की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। आप व्यक्तिगत रूप से उसकी पसंद में कुछ भी गलत नहीं मानते हैं और उसे अपनी सहमति से अवगत कराते हैं। आप अपने कई दोस्तों और परिवार वालों से भी इस बारे में चर्चा करते हैं और उन्हें बताते हैं कि आप अपनी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की योजना बना रहे हैं। हालांकि, आपके द्वारा आगामी भव्य शादी की खबर कई लोगों के साथ साझा करने के कुछ दिनों बाद, आपके राजनीतिक सचिव ने इसे एक मुद्दा बनाए जाने के बारे में सूचित किया है। वह आपको सूचित करता है कि आपके निर्वाचन क्षेत्र में कई लोगों के बीच इस बारे में कानाफूसी हो रही है और कुछ प्रमुख नागरिकों के बीच बेचैनी की भावना के संकेत हैं। हालांकि, उनमें से अधिकांश आपकी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की आपकी योजना से मंत्रमुग्ध हैं, किंतु वे दूल्हे के दूसरे समुदाय से होने के कारण नाखुश हैं। आपको पार्टी में अपने सूत्रों से यह भी पता चल रहा है कि दूल्हे की पसंद पर आपकी सहमति से आगामी चुनाव में हाईकमान आपको टिकट देने से इनकार कर सकता है। आप न केवल एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ और अपनी राजनीतिक पार्टी के एक उभरते सितारे हैं, बल्कि एक खुले विचारों वाले, प्यारे और स्नेही पिता भी हैं। लेकिन आप अपनी बेटी की आजादी और पसंद से कितना भी प्यार करते हों, आप नहीं चाहेंगे कि उसके फैसले का आपकी राजनीतिक यात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। यह तब और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब आप एक राजनेता के रूप में अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत को देखते हुए, बड़ी जिम्मेदारियों और पार्टी में एक ऊंचे कद की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। दूसरी ओर, आपकी बेटी अपनी पसंद पर दृढ़ है और नहीं चाहती कि उसकी होने वाली भव्य शादी किसी भी तरह से प्रभावित हो। वह इस बात पर अड़ी हुई है कि उसकी शादी केवल करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक निजी समारोह के रूप में आयोजित नहीं की जाएगी, बल्कि इसे भव्य तरीके से प्रचारित किया जाना चाहिए, जैसा कि आपने उससे पहले वादा किया था।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?
- एक पिता और एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं?
- आपकी कार्रवाई का तरीका क्या होगा? उचित तर्क सहित पुष्टि कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a public representative, elected on the ticket of a political party, considered as conservative by many. Your daughter, who has returned years after studying abroad, has conveyed to you her choice of marrying a person from another community. You personally do not consider anything wrong in her choice, and convey your assent to her. You also discuss it with many among your friends and family, and inform them of a grand wedding ceremony you are planning for your daughter. However, a few days after you have shared the news of the forthcoming grand wedding with many, you are informed by your political secretary about an issue being made of the same. He informs you that there are whispers among many people in your constituency about it, and indications of a sense of unease among some prominent citizens. While most of them are enamoured by your plans for a grand wedding ceremony for your daughter, they are unhappy about the bridegroom being from another community. You also get to know through your sources in the party, that your assent to the choice of the bridegroom may lead to a denial of ticket by the high command in the forthcoming elections. You are not only an ambitious politician and a rising star in your political party but also an open-minded, loving and doting father. But howsoever much you love your daughter's freedom and choices, you do not want her decision to adversely affect your political journey. This is more so, when you had been eagerly looking forward to greater responsibilities and a higher stature in the party, given the years of hardwork you have put in, as a politician. Your daughter, on the other hand, is firm with her choice and does not want her impending grand wedding to be affected in any way. She is adamant

that her wedding will not be held as a private ceremony with only close friends and family, but should be publicised in a grand way, as you had promised earlier to her.

Given this situation, answer the following:

- (a) What are the ethical issues in the above situation?
- (b) What are the various options that you have, as a father and an ambitious politician?
- (c) What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

Ⓔ Ethical issues in the case

① Role for family vs aspiration
of political career

② Love for daughter vs political
ambition

③ being open minded about
choice of daughter vs
restriction from the political
party

④ Denial of ticket on ground of
being ethical on choice of
daughters wedding

⑤ Big fat wedding is against
the principle of ~~Autism~~ altruism

⑥ Wedding is private affair
and political representative
should set right examples.

(b) Various choices that are available to me.

(1) deny the assent to daughter
for the bridegroom choices

(2) Denial of political ambition
and continue with wishes of
the daughter

(3) winning the political party
about ~~to~~ the grand wedding

(4) convincing the daughter about
taking the ~~middle path~~ small
wedding and private wedding

(c) I would choose the middle
path of convincing the daughter
of small wedding and
continuing with political
aspirations as well

Reasoning For Such decision

- ① Left Political Party are not against choice but against Grand wedding
↳ goes against political agenda
- ② Publicity of wedding event on large scale . does not do any good apart from shallow social prestige
- ③ Small wedding will set a good example in community as well
- ④ The 'Golden mean' of Aristotle and 'Madhym path' of Buddha suggest the same
- ⑤ will also convince political party to keep personal and political agenda separately.

In this way both political
aspiration , personal values .

and commitment to daughter
will be fulfilled .

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

AL